an>

Title: Need to take action and help the people affected from flood.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): अध्यक्षा जी, सबसे पहले तो मैं आपका आभार व्यक्त करना चाहता हूं कि कम से कम आज उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, असम और हिंदुस्तान के कई इलाकों में बाढ़ का सैलाब है, उसके लिए विशेÂष रूप से माननीय सदस्यों को उल्लेख करने का मौका दिया है, इसके लिए मैं सदन की तरफ से आपका आभार व्यक्त करता हूं।

दूसरी बात अभी हमारे एक माननीय सदस्य मरकज़ी हुकूमत से मुतालवा करके चले गए। शायद उन्हें अंदाज़ा नहीं है कि मरकज़ी हुकूमत क्या कर रही है। 26 तारीख को मेरे यहां नेपाल से आने वाली नदी की बाढ़ से वाणगंगा का बंधा कट गया और पूरे गांव जलमग्न हो गए। वहां 165 लोग एक मकान की छत पर थे और जिंदगी तथा मौत के मंजर से जूझ रहे थे। मैंने माननीय गृह मंत्री जी से फोन करके कहा और उन्होंने मुझे आश्वस्त किया कि एनडीआरएफ की टीम दो घंटे में वहां पहुंच जाएगी और वह टीम वहां दो घंटे से पहले पहुंची और 165 लोगों की जिंदगी को बचाने का काम किया गया। बचाव करने के लिए सुबह हेलिकाप्टर आए।

मैं अपने क्षेत्र की बात कहना चाहता हूं। हमारे यहां सूपराजा के पास बासी असोग्वांवा बांध कट गया है। इसी तरह से ककरही का बांध कट गया है। राज्य सरकार को इन बांधों को पन्द्रह जून तक रखरखाव रखना होता है। पिछले दो वÂर्षों से इन बांधों पर उत्तर प्रदेश के सिंचाई विभाग ने नहीं दिया है, जिसके कारण आज सिद्धार्थ नगर जनपद में सूपराजा के पास ककरही का बांध कटा है। बाण गंगा के 75 किलोमीटर के पास कई जगह से रिसाव हो रहा है। असोग्वा बांध कट गया है। कई गांव जलमग्न हो गए हैं। बाढ़ से बहुत भयावह स्थिति उत्पन्न हो गई है।

मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि केंद्र सरकार राज्य सरकार को एडवाइज़री दे और जो भी काम इस संबंध में किया जा सकता है, उसे करने का काम किया जाए।

माननीय अध्यक्ष : *m02 कुंवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चंदेल, *m03 श्री भैरों प्रसाद मिश्र और *m04 श्री शरद त्रिपाठी को श्री जगदम्बिका पाल द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।